



पाठ्यरा वरण सह हारयाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सभ कहु	१५. ७. २३	४	१-५

उपलब्धि: हक्की के तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार व उनकी टीम ने पाई कामयाबी

सरसों की दो उन्नत किस्में विकसित

40% से अधिक होगी तेल की मात्रा

25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक बिजाई का सबसे उचित समय



-डॉ संदीप सिंहमार

चौधरी

वरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

हिसार के कृषि वैज्ञानिकों ने सरसों की बिजाई का मौसम आने से पहले दो नई उन्नत किस्में विकसित की है। अमूलन देश में सरसों की बिजाई सितंबर के अंतिम सप्ताह में शुरू हो जाती है। उससे पहले कृषि वैज्ञानिकों को विशेष कर तिलहन वैज्ञानिकों ने सरसों की नई किस्म इंजाव कर देश भर के किसानों को सही समय पर फायदा देने का काम किया है। इन नई किस्मों में आरएच 1424 व आरएच 1706 शामिल हैं। हक्की कुलपति प्रोफेसर बलवेंद्र राज कंबोज ने बताया कि सरसों की नई किस्मों से बिजाई करने से किसानों को पहले से बेहतर लाभ मिलेगा। छानवी बिजाई से जहाँ खेतों में सरसों की पैदावार में बढ़ोतारी होगी, वहाँ तेल की मात्रा भी पहले से अधिक मिलेगी। तिलहन वैज्ञानिकों का मानना है कि औसतन रूप से सरसों की फसल के कुल उत्पादन का 40 फीसदी तेल निकलता है, लेकिन इन किस्म के बिजाई करने से 40 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा मिलेगी।

यह नई किस्में अपनी विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी। महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस. के. पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुमान देश में सरसों की बिजाई अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आरएच 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25 से 30 मण्ड प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

वैशिष्ट्यक स्तर पर सरसों उत्पादन में तीसरे नंबर पर है भारत

सरसों, राया/राझ व तारमीरा रखी फसल की प्रमुख तिलहनी फसल है। इस फसल का एक तरफ जहाँ भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है, वहाँ सरसों के उत्पादन से मिलने वाले तेल से रसोई में भी तड़का लगता है। जर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, दिल्ली व हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में सरसों का तेल प्रमुखता से सबियां चटपटे प्रकान बनाने के काम में लिया जाता है। सरसों उत्पादन और क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में चीन और क्राज़ा के बाद भारत का तीसरा स्थान है।

5 वर्ष पूर्व विकसित आज भी लोकप्रिय

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जाताई कि सरसों

मैदानी क्षेत्रों में होता

है उत्पादन, पर

राजस्थान सबसे आगे

सरसों का उत्पादन भारत के लगभग सभी राज्यों में होता है, लेकिन सरसों उत्पादन के मामले में राजस्थान भारत के सभी राज्यों में सबसे आगे है। यहाँ की जलवाया और मिट्टी

अनुसंधान के लिए मिला सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड

हक्की को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से भी नवाजा गया है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक तिलहन व दाल डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने पदान किया। प्रो. कंबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक टीम ने हाल ही में सरसों की दो नई उन्नत किस्में विकसित कर एक नया आयाम स्थापित किया है। इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी।

सरसों की खेती के लिए काफी अनुकूल है। कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग आंकड़ों के अनुसार देश में कुल उत्पादित होने वाले सरसों में राजस्थान में अकेले 46.7 प्रतिशत का उत्पादन होता है। राजस्थान सहित मध्य प्रदेश, हरियाणा, जर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भारत का 88 फीसदी उत्पादन होता है। सरसों के उत्पादन में मध्य प्रदेश की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस फसल की खेती कम सिंचाई और कम लागत में आसानी से हो जाती है।

सरसों, राया/राझ व तारमीरा रखी फसल की प्रमुख तिलहनी फसल है। इस फसल का एक तरफ जहाँ भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है, वहाँ सरसों के उत्पादन से मिलने वाले तेल से रसोई में भी तड़का लगता है। जर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, दिल्ली व हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में सरसों का तेल प्रमुखता से सबियां चटपटे प्रकान बनाने के काम में लिया जाता है। सरसों उत्पादन और क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में चीन और क्राज़ा के बाद भारत का तीसरा स्थान है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ नवंबर २०२३	१५-९-२३	३	३-८

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर : कुलपति काम्बोज

हक्कि में हिंदी दिवस पर हुआ कार्यक्रम



पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज।

जगरण संचारदाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताओं व अंतर्राष्ट्रीय वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रौ. वीआर काम्बोज ने कहा कि हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसके बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से लूबलू करवाने के लिए हमें दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। आटेलिया से आए डा. सुर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की।

- प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता
 - भाषण प्रतियोगिता : फेहंद
 - महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्तीर्णी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
 - काव्य पाठ : विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिया प्रथम स्थान पर रही।
 - स्लोगन प्रतियोगिता : प्रथम स्थान फेहंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा ने प्राप्त किया।
 - पोर्टर मैटिंग : फेहंद कन्या कालेज की छात्रा निहारिका प्रथम रही।
 - स्कॉरिंग प्रतियोगिता : प्रथम व दूसरे स्थान पर फेहंद कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कोमल व निहारिका रही।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अजोत समाप्ति’	१५-९-२३	१०	५-७

हिंदी भाषा हमें पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता व आधुनिक प्रगति से जोड़ने का सबसे सरल माध्यम : प्रो. काम्बोज

हिसार, 14 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रुबरु करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में इक्ष्यहंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतर्रिक्षविद्यालय हिंदी दिवस परितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अपनी बात को संरल व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा माध्यम

क्षेत्रीय भाषा है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो

इसे बोलने व लिखने में संकोच करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि देश में तकनीकी व



पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोल-चाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है। कई बार हिंदी भाषा को जानते हुए भी लोग

आर्थिक विकास के साथ अंग्रेजी भाषा का प्रचलन भी बढ़ रहा है, जिससे हम अपनी क्षेत्रीय भाषा व हिंदी भाषा को भूलते जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित शिक्षाविदें से आह्वान किया कि वे हिंदी भाषा के खोए हुए स्तर को फिर से लौटाने में अहम भूमिका निभाएं। इसके लिए वे शिक्षण संस्थानों में निबंध

प्रतियोगिता व हिंदी प्रतिवाड़े जैसे कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करवाते रहें ताकि वे भावी पीढ़ी को हिंदी भाषा व क्षेत्रीय भाषा के बारे में बता सकें। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर कुलपति ने मेजबान विभाग की ओर से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मनाए गए हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही मुख्यातिथि ने स्लोगन, पोस्टर व स्कैचिंग प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। अंत में भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्पणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान पर फेतहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा खुशबूव व तीसरे स्थान पर कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूर्णिया रहे। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फेतहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा मोनिका संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाई छ सरी	१५ - ९.२३	५	५-६



पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिंदी आधुनिक प्रगति से जोड़ने का सरल माध्यम : प्रो. काम्बोज

हिसार, 14 सितम्बर (ब्लूरो): हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को, इस भाषा से रुबरु करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यब्हत किए।

वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतरविश्वविद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह में बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के

स्तर व महत्व पर चर्चा की। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा मोनिका संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा व दूसरा स्थान कोमल ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम स्थान, दूसरे स्थान पर शिवानी रावत व तीसरे स्थान पर प्रेरणा रही।

इसी प्रकार, स्कैचिंग प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरे स्थान पर फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कोमल व निहारिका रही, जबकि तीसरे स्थान पर बाबल के कृषि महाविद्यालय के छात्र यश बिश्नोई रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दृष्टि भूमि

दिनांक
१५-९-२३

पृष्ठ संख्या
१०

कॉलम
२-६

हफ्ते में हिंदी दिवस पर पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर

पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से लब्जू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा।

हरिगूणि न्यूज ►►हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कामोज ने कहा कि हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से लब्जू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय



हिसार। पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बीआर कामोज।

फोटो: हरिभूमि

के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा

आयोजित किया गया था। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की।

प्रतियोगिताओं ने ये रहे विजेता
हिंदी सप्ताह दिवस कार्यक्रम के द्वारा आयोजित माषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्र स्त्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान मंडल विद्यालय की छात्र सुशब्द व तीसरे स्थान पर कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूरिया रहे। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा विद्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमाली रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र ठंडकीप व फतेहचंद कव्या महाविद्यालय की छात्रा मौलिक संस्कृत स्पष्ट से तीसरे स्थान पर रहे। स्लोन ग्राहियोंगिता में प्रथम स्थान प्रतेहचंद कव्या महाविद्यालय की छात्रा गवीशा व दूसरा स्थान कोलंग ने प्राप्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभू उजाला	१५-७-२३	२	६-८

भाषण में स्वीटी, काव्य पाठ में दिव्या ने बाजी मारी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में फतेहचंद महाविद्यालय की छात्रा स्वीटी प्रथम स्थान, विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा खुशबू द्वितीय, कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूनिया तृतीय रहे। मुख्य अतिथि प्रो. बीआर कांबोज ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

काव्य पाठ प्रतियोगिता में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की दिव्या प्रथम, हिमांशी द्वितीय, कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की मोनिका तृतीय रही। स्लोगन प्रतियोगिता



एचएयू में हिंदी दिवस पर विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। झोत : विवि

में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा प्रथम, कोमल द्वितीय, पोस्टर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम, शिवानी रावत द्वितीय व प्रेरणा तृतीय रही। स्केचिंग प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की कोमल प्रथम व

निहारिका द्वितीय रही। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत, भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्पणा आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	14.09.2023	--	--

हब्दूवि में हिंदी दिवस पर पारितोषिक वितरण समारोह किया गया आयोजित हिंदी भाषा हमें पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता व आधुनिक प्रगति से जोड़ने का सबल माध्यम : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार, 14 सितंबर। हिंदी भाषा हमारी सभ्यता की भरोसा है। इसको बचाने व पीढ़ी-दू-पीढ़ी को इन भाषा से लूबक करावाने के लिए हमें टैकिक दिनबाटों में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होता। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृतिपति और बी.आर. काम्बोज ने अद्यत किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागर में हिंदी दिवस के उत्सव घर आयोजित अंतर्व विश्वविद्यालय हिंदी दिवस परितोषिक वितरण समारोह में बहीर मूर्खाविति संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणी सम्बूद्धि विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। मूर्खाविति और बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अपनी बत्त को सरल व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का मबद्दल अद्यत माध्यम स्त्रीय भाषा है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जल्दी है तो व्याकरणिक हृषि से अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने वाले हैं। इसलिए हमें आम बोलनाल में थोड़ी भाषा को अधिक से मना एवं गए हिंदी सभाह के दीर्घन अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं का विजेता ज्ञान के विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ

प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करकाती है। चौधरी चरण सिंह भाषा को जानने हुए भी लोग इसे बोलने व लिखने में सकोच करते हैं। इसका सबस बड़ा कारण यह भी है कि देश में लोगोंकी व अधिक विकास के साथ अपनी भाषा का प्रचलन भी बढ़ रहा है, जिससे अपनी शोश्नेध भाषा व हिंदी भाषा को भलते जा रहे हैं। उन्होंने उपर्युक्त शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे हिंदी भाषा के खोए हुए स्तर को फिर से स्थिराने में अहम भूमिका निभाएं। इसके निए वे शिक्षाम संस्थानों में निवध प्रतियोगिता व हिंदी पर्यावाङ्मै संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रमों का समय- समय पर आयोजन करावाने वेतावत आयोजित करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर ध्यान देते हुए ताकि ये भाषा और शोश्नेध भाषा के बारे में बता सकें। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने अविद्यों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर ध्यान देते हुए आयोजित किया।



ही मूर्खाविति ने स्लोगन, चौटर व महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रतियोगिताओं की प्रतियोगितों में एथेम स्थान पर रखे। स्लोगन प्रतियोगिता में एथेम स्थान के प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। आज श्वेतांगी ने एथेम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान कोमल ने प्राप्त किया। चौटर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम स्थान, दूसरे स्थान पर शिवानी उमत व तीसरे स्थान पर प्रेरणा रही। इसी प्रकार, स्कैचिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महाविद्यालय में आयोजित हिंदी सभाह काल्पनिक प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सम्पदाधिक विज्ञान महाविद्यालय की पोस्टर, स्कैचिंग, काल्पनिक प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्र लैखन, छात्र दिव्य प्रथम स्थान व दूसरे स्थान भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। ये विजेता विश्वविद्यालय के छात्र हर्षदीप व जयकि कृषि विजेता विश्वविद्यालय के छात्र फतेहचंद कन्या महाविद्यालय के छात्र यश विश्वनैर्देश विजेता विश्वविद्यालय के छात्र आयोजित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पांच बजे न्यूज

दिनांक
14.09.2023

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर : प्रो. काम्बोज

पांच बजे व्याप



हिंदी। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर्शनीयों को इस भाषा से रुक़ान करवाने के लिए हमें आधिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होता। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलशीत प्रो. चौ. आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञन एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषाओं में हिंदी विद्या के उत्तराधिकारी अधिकारी अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय हिंदी विद्या के विभिन्न प्रयोगिक विवरण मध्यांतर में बहुत मुख्यालयी संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञन एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं सांस्कृतिक संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

मुख्यालयी प्रो. चौ. आर. काम्बोज ने कहा कि अपने वात को सहज व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का सर्वसे अच्छा

माध्यम क्षेत्रीय भाषा है। आधिकारिक रूप में अगर हम सभी को ज़रूरत है तो व्याकरणिक दौट में अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोल-चाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधिकारिक प्राप्ति का हमें बोध करता है। कई बार हिंदी भाषा को जानते हुए भी लोग इसे बोलने व लिखने में संकोच

करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि देश में तकनीकी व आधिक विकास के साथ अंग्रेजी भाषा का प्रचलन भी बढ़ रहा है, जिससे हम अपनी क्षेत्रीय भाषा व हिंदी भाषा को भूलते जा रहे हैं। मौलिक विज्ञन एवं मानविकी महाविद्यालय में अयोजित हिंदी सभान विद्या कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लेखन, पोस्टर, स्कॉरिंग, काल्पयठ व हिंदी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों सहित शहर के अनेक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर फतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय

एवं कल्पाति ने मेजबान विभाग की ओर से हिंदी विद्या के उत्तराधिकारी अयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिया। साथ ही मुख्यालयी ने स्लोगन, पोस्टर व स्कॉरिंग प्रतियोगिताओं को प्रशंसनी की भी अवलोकन किया।

प्रतियोगिताओं में ये यह विजेता

मौलिक विज्ञन एवं मानविकी महाविद्यालय में अयोजित हिंदी सभान विद्या कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लेखन, पोस्टर, स्कॉरिंग, काल्पयठ व हिंदी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों सहित शहर के अनेक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर फतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय

के समुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा सुज़बू व तीसरे स्थान पर कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पुरिया रहे। बायं पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के समुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर प्रथमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हथदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा मौनिका संग्रह स्थान पर तीसरे स्थान पर रहे। मलायम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनेशा न दूसरे स्थान कोमल ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम स्थान, दूसरे स्थान पर शिवानी रावत व तीसरे स्थान पर प्रेरणा रहे। इसी प्रकार, स्कॉरिंग प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरे स्थान पर फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कोमल व निहारिका रहे। जबकि तीसरे स्थान पर बाबल के कृषि महाविद्यालय के छात्र यश विजेता हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि भूज	15-9-23	10	5

हक्की में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से थुरु

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्पोज ने बताया कि मेले में आगांतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उत्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र नियार्ता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नं. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन् कट्ट	15-9-23	6	6

हकृति में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निमार्ता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्तिवार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देवनाक द्वितीय	१५. ९. २३	२	।

हकृति में कृषि विकास मेला ८ अक्टूबर से

हिसार, १४ सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से ८ से १० अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-२०२३ का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारी दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अभूतजाला

दिनांक

13-9-23

पृष्ठ संख्या

1

कॉलम

2

एचएयू में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की ओर से तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन 8 अक्टूबर से होगा। कुलपति प्रो. बींआर कांबोज ने बताया कि मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के साथ मिलकर किया जाएगा। मेले में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नंबर-3 के सामने लगाया जाएगा। किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज व बायोफार्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी।

कृषि व गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं करवाई जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की सुविधा दी जाएगी। तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। द्यूरा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुच्चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१/१५ ज०३/२०२४	१५-९-२३	५	७-८

हकूमि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला आठ अक्टूबर से

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आठ से १० अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-२०२३ का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

ग्राउंड, गेट नंबर तीन के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। सह-निदेशक (विस्तार) डा. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टालों की बुकिंग की जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15. 9. 23	5	1-3

हृषि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से शुरू

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

हिसार, 14 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेले में आगांतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तर शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइंजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों दिखाई जाएंगी। तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएंगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगाने वाली एं-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग की जाएगी। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा की जाएगी। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१ अक्टूबर २०२३	१५. ९. २३	५	६

हफ्ते में ३ दिनी हरियाणा कृषि विकास मेला ८ से

भारत न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा ८ से १० अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-२०२३ का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअङ्ग की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उत्पादक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माताओं की विकास भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नं. ३ के सामने लगाया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.09.2023	--	--

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

हकूमि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. वी.आर. काल्याजे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस बर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ गिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आवंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी।

कुलपति के अनुसार मेले में बौज, उर्वरक, कॉटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्गाता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नं. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से निपटारिश की गई रब्बी फसलों का उत्पत्ति

बौज तथा बायोफार्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बौज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रशोक्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, मिच्चाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एगो-इंडिस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग की जाएगी। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा की जाएगी। किसानों के मनोरजन के लिए तीनों दिन हरियाणाकी सांस्कृतिक क्रांतिकरणों का आयोजन भी किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अधिकारी न्यूज	14.09.2023	--	--

हक्कवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से शुरू किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

By Adhikari News | Sep 14, 2023, 19:45 IST



हक्कवि में हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से शुरू



adhikarinews,hisar: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	14.09.2023	--	--

हकूमि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से शुरू

हिसार, 14 सितंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन विद्या जाएगा। कूलपति प्रो. वी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगामी किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअंड की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कूलपति के अनुसार मेले में चौज, डर्वरक, कोटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र नियांता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान मिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रखी फसलों के उपलब्ध वीज तथा बायोफिलिक्स और अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी चौज एवं सियांकों के सहयोग से विक्री कारंटर स्थापित किए जाएंगे। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्रीनरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पीढ़ी की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएंगी। सह-निदेशक (विम्नार) डॉ. बृंदा यादव ने बताया कि मेले में लगाने वालों परो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों को बुकिंग की जाएंगी। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं वैन्यर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा की जाएंगी। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक बायरंक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभियंता दिवस विशेष उजाला	१५-९-२३	२	१-५

अभियंता दिवस विशेष

छात्राएं बोलीं- खेतीबाड़ी करने वाली महिलाओं को मिले अपनी पहचान, कुछ ऐसा कर जाएं हम काम

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में भविष्य संवार रहीं बेटियां

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। बेटियां हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। चाहे शिक्षा, खेल हो या फिर खेतीबाड़ी। खास बात है कि अब बेटियां एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में भविष्य संवार रही हैं।

एचएयू से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग करने वाली छात्राओं ने कहा कि हमारा मकसद है कि कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाकर कम समय और कम लागत में किसानों को अधिक मुनाफा मिले और पैदावार भी अधिक हो। हर साल 15 सितंबर को अभियन्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन महान अभियन्ता एवं भारतरत्न मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया की जयंती होती है।

कम लागत में किसानों को मिले अधिक मुनाफा

कृषि इंजीनियरिंग की तृतीय वर्ष की छात्रा कोमल यादव बताती है कि उनका परिवार खेतीबाड़ी करता है। मां घर के सभी काम करने के साथ खेतीबाड़ी संभालती है।

उसके बाद ही उसे गृहिणी की पहचान मिली है। मेरा सपना है कि खेतीबाड़ी करने वाली हर महिला को कृषि क्षेत्र में अपनी पहचान मिले। आज जीवन कम हो रही है और ऐसे में कम लागत में अधिक मुनाफा किसानों को मिले इसके लिए प्रयास करेंगे।



खेतों में सेम की दिक्कत को करना होगा दूर

कृषि इंजीनियरिंग की छात्रा प्रीति ने बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों में सेम की दिक्कत है।

जमीन पर सेम ऊपर आने के

कारण फसल नहीं होती।

इसके चलते पानी को

निकालने के लिए एक

किसान दूसरे किसान के खेत

में पानी डाल देता है। सरकार



को चाहिए कि सेम के पानी का सही इस्तेमाल

करने के लिए ड्रेन बनानी चाहिए, ताकि किसान

उस पानी को ड्रेन में डाल सके और जिन एरिया

में किसानों को पानी जरूरत है वहां पर इसका

इस्तेमाल हो सकेगा। इसके अलावा किसान

पराली को जलाने के बजाय बेच कर अच्छी

आमदानी पा सकता है।

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं किसान

कृषि इंजीनियरिंग की छात्रा तनु का कहना है आज हर क्षेत्र का आज निजीकरण हो रहा है। लोगों का

रुझान भी उसी तरफ

होता जा रहा है।

जबकि सरकार की

तरफ से कई

योजनाएं चलाई रहीं

हैं। उनका फायदा किसान उठा सकता है।

जैसे कि किसान सब्सिडी से ड्रोन ले

सकता है और उसका इस्तेमाल कृषि क्षेत्र

में कर सकता है। जिस किसान के पास

कम जीवन है वह बड़े किसानों से ड्रोन

किसाने पर ले सकता है। आने वाले समय



में यह योजना कारगर साबित होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ अगस्त २०२३	१५ - ९.२३	२	३

ध्यान से मानसिक तनाव को दूर करने में मदद मिलेगी : नीरज

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय ने गुरुवार को 'हर घर ध्यान' कार्यक्रम किया। कार्यक्रम कॉलेज ऑफ बेसिक साइंसेज एंड हार्मेनिटीज और कॉलेज ऑफ फिशरीज साईंस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग मेडिटेशन कोच नीरज गुप्ता ने किया। उन्होंने बताया कि ध्यान करने से लोगों को मानसिक तनाव को दूर करने में मदद मिलेगी। जीवन में 80 प्रतिशत आनंद और 20 प्रतिशत दुःख है। लेकिन हम 20 प्रतिशत पर टिके रहते हैं और इसे 200 प्रतिशत कर देते हैं। ध्यान के बारे में समझाते हुए नीरज गुप्ता ने बताया कि पूरी तरह से विश्राम करना ही ध्यान है।